PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ‣ Issue : 13 ‣ Mumbai ‣ Friday, 1 May to 07 May 2026 ‣ Weekly ‣ Pages: 8 ‣ Price : 3 Rs.

केंद्रीय विद्यालयों के लिए सरकारी जमीन मुफ्त देने को मंजूरी

मुंबई - देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेते हुए पूरे राज्य में केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने के लिए सरकारी जमीन मुफ्त में उपलब्ध कराने को मंजूरी दे दी है। इस फैसले का उद्देश्य राज्य में केंद्रीय शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

यह निर्णय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया, जिसमें राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। प्रस्ताव के अनुसार, केंद्रीय विद्यालय संगठन को जमीन 'क्लास-II ऑक्यूपेंसी' के आधार पर दी जाएगी। खास बात यह है कि इसके लिए कोई प्रीमियम या राजस्व शुल्क नहीं लिया जाएगा, जिससे यह पूरी तरह से मुफ्त हस्तांतरण होगा। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस नीति का उद्देश्य शिक्षा संस्थानों के विस्तार में तेजी लाना और ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में केंद्रीय विद्यालयों की पहुंच बढ़ाना है। इससे उन क्षेत्रों के छात्रों को भी केंद्रीय स्तर की शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी जहां अभी तक ऐसे संस्थान नहीं हैं।

इस योजना के तहत रत्नागिरी जिले के नाचने क्षेत्र में एक नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए लगभग छह एकड़ सरकारी भूमि आवंटित की गई है। यह भूमि सरकार के स्वामित्व वाले बड़े भूखंड से अलग कर दी गई है और इसे बिना किसी ऑक्यूपेंसी लागत के केंद्रीय विद्यालय संगठन को दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय राज्य में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना से न केवल शिक्षा का स्तर बेहतर होगा, बल्कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले सरकारी कर्मचारियों और आम नागरिकों के बच्चों को भी समान अवसर मिलेंगे।

सरकार का मानना है कि इस पहल से शिक्षा के क्षेत्र में समानता बढ़ेगी और छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रणाली से जुड़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। इसके साथ ही, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

बैठक में यह भी कहा गया कि भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाएगा, ताकि केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना में किसी प्रकार की देरी न हो। संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे जल्द से जल्द आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी करें।

कचरा डंपिंग साइट्स पर सीसीटीवी निगरानी

- अवैध फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई करें
- नगर निगम कमिश्नर अश्विनी भिड़े के सख्त निर्देश

मुंबई - एक साफ और सुंदर मुंबई के लिए, रोजाना कचरा कलेक्शन, क्लासिफिकेशन और ट्रांसपोर्टेशन के तीन-तरफा तरीके को मजबूत करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। क्योंकि घनी बस्तियों और झुग्गी-झोपड़ियों में कचरा कलेक्शन ज्यादा होता है, इसलिए इन जगहों पर ध्यान से प्लानिंग की जानी चाहिए, कचरा डंपिंग साइट्स पर पायलट बेसिस पर सीसीटीवी निगरानी किया जाना चाहिए, ट्रैफिक में रुकावट डालने वाले गैर-कानूनी फेरीवालों पर सख्त एक्शन लिया जाना चाहिए, और सड़क के दोनों ओर से लावारिस गाड़ियों को हटाया जाना चाहिए, मुंबई म्युनिसिपल कमिश्नर अश्विनी भिड़े ने म्युनिसिपैलिटी के संबंधित डिपार्टमेंट को सख्त निर्देश दिए हैं। म्युनिसिपल कमिश्नर अश्विनी भिड़े ने बुधवार को वडाला, चेंबूर और चूनाभट्टी का सरप्राइज विजिट किया और सफाई के काम का इंस्पेक्शन किया।

एक साफ और सुंदर मुंबई के लिए, सिविक एसोसिएशन, चैरिटेबल ऑर्गनाइजेशन, हाउसिंग सोसाइटी और ळक्रर जैसे ऑर्गनाइजेशन से गाइडेंस लेकर सफाई में नए एक्सपेरिमेंट करें। कमिश्नर अश्विनी भिड़े ने उन्हें स्टडी ग्रुप बनाने और मुंबई को और ज्यादा साफ और सुंदर रखने का निर्देश दिया।

(शेष पेज 2 पर...)

महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने की ड्राइवरों के लिए 'प्रैक्टिकल मराठी' गाइडबुक लॉन्च

मुंबई - पूरे महाराष्ट्र में पैसेंजर सर्विस को बेहतर बनाने के मकसद से एक बड़ी पहल के तहत, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने 'प्रैक्टिकल मराठी' नाम की एक गाइडबुक लॉन्च की है। इससे ड्राइवरों को पैसेंजर से अच्छे से बातचीत करने में मदद मिलेगी। इस इवेंट में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाइक और सुनेत्रा पवार मौजूद थे।

यह गाइडबुक खास तौर पर रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के लिए बनाई गई है, लेकिन यह ओला और उबर जैसी राइड-शेयरिंग सर्विस के ड्राइवरों के लिए भी काम आएगी। इसमें आसान लेकिन जरूरी मराठी वाक्य हैं जो रोजाना की बातचीत में इस्तेमाल होते हैं, जिससे ड्राइवर भाषा की दिक्कतों को दूर कर सकेंगे और पैसेंजर को ज्यादा आसान और सुविधाजनक सर्विस दे सकेंगे।

ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाइक ने इस पहल के मकसद के बारे में बताते हुए कहा, महाराष्ट्र में पैसेंजर सर्विस देते समय लोकल भाषा का ज्ञान बहुत जरूरी है। इस बुकलेट का मकसद बातचीत को आसान बनाना और पैसेंजर के पूरे अनुभव को बेहतर बनाना है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकल भाषा की जानकारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा, रोजाना सर्विस में मराठी को समझना और उसका इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है।

(शेष पेज 2 पर...)

काला जादू का झांसा देकर महिला से वसूले लाखों

टनटन बाबा और लहरी बाबा को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गौरव सिंह/नवी मुंबई

नवी मुंबई - नवी मुंबई में काला जादू और अघोरी पूजा-पाठ के नाम पर महिला से ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है. एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. आरोपियों ने खुद को बाबा बताकर महिला को उसकी परेशानियों का झूठा कारण बताया.

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने महिला से कहा कि उस पर काला जादू किया गया है और समस्याओं से मुक्ति के लिए विशेष पूजा-पाठ कराने की जरूरत है. इस बहाने आरोपियों ने महिला को कई तरह की धार्मिक और अघोरी विधियां कराने का झांसा दिया और उससे बड़ी रकम ऐंठ ली.

जांच में सामने आया कि महिला ने नकद और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए आरोपियों को कुल करीब 1 लाख 90 हजार रुपये दिए. बाद में ठगी का एहसास होने पर महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. मामला दर्ज होते ही पुलिस ने तेजी से जांच शुरू कर दी और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई. जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के नासिक इलाके में होने की जानकारी मिली. इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से जाल बिछाकर कार्रवाई की गई. इस ऑपरेशन के दौरान अर्जुन भारत चव्हाण उर्फ 'टनटन बाबा' (29) और सागर शिवाजी शिंदे उर्फ 'एकलहारी बाबा' (२४) को गिरफ्तार कर लिया गया. दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ की जा रही है. डिप्टी कमिश्नर अमित काले ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा ३१८(४), ३(५) और महाराष्ट्र मानव बलि एवं अन्य अमानवीय, अघोरी प्रथा और जादू-टोना रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है.

प्यूपिल्स टाइम्स

संपादकीय

यूपीआई निष्पक्ष, तेज और सस्ता वैश्विक भुगतान विकल्प बना

इस फरवरी में जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो पश्चिम एशिया में हड़कंप मच गया। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल, बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे तथा स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद कर दिया। यह वह समुद्री रास्ता है, जिससे दुनिया का 20 प्रतिशत तेल और अरबों डालर का व्यापार होता है। बैंकिंग के रास्ते धीमे पड़ गए, पैसे भेजना मुश्किल हो गया। 40 दिनों की भीषण लड़ाई के बाद दो हफ्ते का युद्धविराम हुआ, लेकिन उसके विस्तार के बाद भी स्थिति नाजुक बनी हुई है। इस जंग ने दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को तहस नहस कर दिया। होर्मुज बंद होने से तेल के दाम आसमान छू गए। शिपिंग कंपनियां रास्ता बदलने पर मजबूर हो गईं और सबसे बड़ी तकलीफ यह रही कि भारत के लाखों मजदूर जो यूएई, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब में काम करते हैं, उनके परिवारों तक पैसे भेजना मुश्किल हो गया। पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था संकट में आ गई।

यह पहला मौका नहीं है जब दुनिया ने देखा कि पैसों की व्यवस्था को हथियार बनाया जा सकता है। 2022 में रूस यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस को स्विफ्ट से बाहर कर दिया था। इस व्यवस्था के जरिए दुनिया के बैंक आपस में पैसे भेजते हैं। सीधे शब्दों में यह बैंकों का वाट्सएप है। रूस के स्विफ्ट से बाहर होने के बाद रूसी लोग दुनिया से कट गए। अब ईरान पर भी कड़े प्रतिबंध हैं। भारत ने यूपीआआई यानी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को 2016 में तब शुरू किया था, जब दुनिया में इस तरह के संकटों की कल्पना भी मुश्किल थी। नेशनल पेमेंट्स कार्पोरेशन आफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने यह व्यवस्था इसलिए बनाई थी, ताकि हर भारतीय को सस्ता, तेज और आसान डिजिटल भुगतान मिल सके। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यही यूपीआई एक दिन दुनिया के लिए स्विफ्ट का सबसे बड़ा निष्पक्ष विकल्प बन सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका- इजराइल और ईरान की जंग ने यह साबित कर दिया कि भारत ने जो व्यवस्था अपने नागरिकों के लिए बनाई थी, वह आज पूरी दुनिया की जरूरत है। स्विफ्ट ने वादा किया था कि वह निष्पक्ष रहेगा, लेकिन राजनीति आई तो उसने पक्ष लिया। यूपीआई किसी के हाथ का हथियार नहीं और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यूपीआई जिसे आप फोन पे, गूगल पे या पेटीएम के जरिए रोज इस्तेमाल करते हैं, दुनिया की सबसे तेज और सबसे सस्ती भुगतान व्यवस्था है।

लोकतंत्र का महासंग्राम:

पाँच राज्य, एक फैसला

- जनादेश नहीं, दिशा का चयन
- प. बंगाल: टकराव की तपिश में जनादेश

प. बंगाल : पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को दूसरे चरण की 142 सीटों पर वोटिंग हुई, और पूरा देश टीवी से चिपक गया। वजह साफ थी—यह चुनाव सिर्फ विधायक चुनने का नहीं, बल्कि 'दीदी बनाम दिल्ली' की सीधी लड़ाई बन गया था। लेकिन खबरें वोट से ज्यादा चोट की आईं। नादिया में इखढ के बूथ एजेंट को बंदूक की बट और रॉड से पीटा गया, उसका सिर फट गया। हावड़ा में CRPF को बूथ खाली कराना पड़ा। सवाल उठता है—क्या यह लोकतंत्र का उत्सव है या संघर्ष? एग्जिट पोल कड़े मुकाबले का संकेत देते हैं। कई आकलनों में भाजपा 120 से 140 सीटों तक पहुँचती दिख रही है, जबकि तृणमूल 130 से 150 के बीच बनी रह सकती है। साफ है—बंगाल अब एकतरफा नहीं रहा। यहाँ का परिणाम केवल सरकार नहीं, बल्कि पूर्वी भारत की राजनीतिक दिशा तय करेगा।

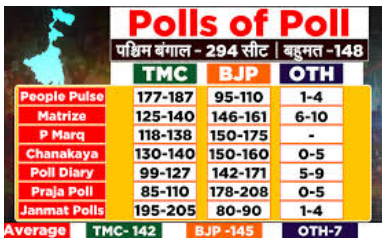

असम : बढ़त की राजनीति, चुनौती बरकरार

असम में चुनाव अपेक्षाकृत शांत रहा, पर संदेश स्पष्ट है। विकास और स्थिरता के सामने पहचान और सामाजिक संतुलन के मुद्दे खड़े हैं। एग्जिट पोल सत्तारूढ़ गठबंधन को 75 से 90 और विपक्ष को 35 से 50 सीटों तक दिखाते हैं। बढ़त मजबूत है, पर विपक्ष समाप्त नहीं हुआ।

केरल: विचारों का निर्णायक मुकाबला

केरल में राजनीति आज भी विचारधारा पर आधारित है। वाम और कांग्रेस के बीच पारंपरिक टक्कर में एग्जिट पोल वाम मोर्चे को 80 से 95 और कांग्रेस गठबंधन को 40 से 55 सीटों तक दिखाते हैं। यहाँ परिणाम सोच की स्वीकृति का प्रतीक है।

तमिलनाडु: अस्मिता बनाम विस्तार

तमिलनाडु में चुनाव क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय उपस्थिति के बीच संतुलन की परीक्षा है। एग्जिट पोल द्रविड़ दलों को 150 से 170 सीटों के साथ आगे और प्रतिद्वंद्वी गठबंधन को 60 से 80 के बीच दिखाते हैं। संकेत है स्थानीय पकड़ कायम, पर बदलाव की आहट जारी।

पुडुचेरी: छोटे में बड़ा संकेत

पुडुचेरी में सीमित मुकाबला भी व्यापक संदेश देता है। एग्जिट पोल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 18 से 22 और विपक्ष को 8 से 12 सीटों तक दिखाते हैं। छोटे क्षेत्र में भी राष्ट्रीय प्रभाव स्पष्ट है।

भारत की जनगणना 2027 के प्रोसेस को तेज करने के लिए राज्य में एक बड़ा अवेयरनेस कैंपेन

नई दिल्ली - देश की सबसे जरूरी कोशिशों में से एक, भारत की जनगणना 2027 के प्रोसेस को तेज करने के लिए राज्य में एक बड़ा अवेयरनेस कैंपेन चलाया जाएगा। यह जनगणना, जो सेंसस एक्ट 1948 के तहत हो रही है, इस साल पहली बार पूरी तरह से डिजिटल तरीके से होगी।

जनगणना प्रोसेस का पहला फेज, यानी हाउस रजिस्ट्रेशन और हाउसिंग सेंसस, 16 मई से 15 जून, 2026 के बीच किया जाएगा। उससे पहले, सेल्फ-एन्यूमरेशन फेज 1 मई से 15 मई, 2026 तक किया जाएगा। नागरिकों के लिए एक खास मोबाइल ऐप "Cenfsus 2027-HLO" और एक अलग ऑनलाइन पोर्टल भी उपलब्ध कराया जाएगा। जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (GAD) के 23 दिसंबर, 2025 के फैसले के मुताबिक, राज्य मशीनरी की एक्टिव भूमिका पर जोर दिया गया हैइस सिलसिले में, मिनिस्ट्री के 'त्रिमूर्ति प्रांगण' एरिया में एक पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन चलाया गया है। इसमें बैनर दिखाना और लोगों को जनगणना से जुड़ी जानकारी देने वाली चीजें बांटना शामिल होगा।

इस पहल की योजना एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और स्टेट नोडल ऑफिसर श्रीमती सीमा व्यास की अध्यक्षता में हुई एक मीटिंग में बनाई गई थी। इस कैंपेन का मुख्य मकसद लोगों में जनगणना के बारे में जागरूकता पैदा करना और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। मंत्रालय जैसे खास सरकारी ऑफिसों में ऐसी एक्टिविटीज आयोजित करने से इस बारे में जानकारी को बड़े पैमाने पर फैलाने में मदद मिलेगी।

कचरा डंपिंग साइट्स पर सीसीटीवी निगरानी

(पेज 1 का शेष)

इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर प्रशांत सपकाले, प्रशांत गायकवाड़, किरण दिघावकर, संध्या नांदेडकर, असिस्टेंट कमिश्नर अरुण क्षीरसागर, शंकर भोसले, धनाजी हेरलेकर और संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

इंस्पेक्शन के दौरान, उन्होंने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सफाई कर्मचारियों से सीधे बातचीत की। उन्होंने हर दिन सफाई गाड़ियों के चक्करों की संख्या, कचरे को छांटने और ट्रांसपोर्ट करने का तरीका और किन इलाकों में

ज्यादा कचरा निकलता है, इन सबकी डिटेल में जानकारी ली। घरों से इकट्ठा किए गए कचरे और उसके ट्रांसपोर्टेशन की असरदार प्लानिंग करें। उन्होंने अलग-अलग कॉम्प्लेक्स से निकलने वाले कचरे की अलग-अलग प्लानिंग करने और 'मुंबई क्लीन लीग' के संदर्भ में मुंबई में सफाई अभियान को और असरदार तरीके से लागू करने पर ध्यान देने का सुझाव दिया।

भिड़े ने सुझाव दिया कि जिस वार्ड में कचरा इकट्ठा किया जाता है, वहां की हर गली के लिए एक कचरा कलेक्शन प्लान बनाया जाना चाहिए, तय ऑर्गनाइजेशन द्वारा इकट्ठा किए गए कचरे को रिकॉर्ड किया जाना चाहिए, और उसकी स्टडी करके एक मॉडल बनाया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने की ड्राइवरों के लिए 'प्रैक्टिकल मराठी' गाइडबुक लॉन्च

(पेज 1 का शेष)

इस पहल से, ड्राइवरों और यात्रियों के बीच बातचीत ज्यादा असरदार होगी, जिससे सर्विस सेक्टर में क्वालिटी में सुधार होगा। प्रैक्टिकल मराठी के लॉन्च का सरकारी अधिकारियों से लेकर इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों तक, हर लेवल पर स्वागत किया जा रहा है। इस पहल से ड्राइवरों और यात्रियों के बीच बेहतर समझ को बढ़ावा मिलने, गलतफहमियों को कम करने और सर्विस की कुशलता बढ़ाने की उम्मीद है।

गाइडबुक में प्रैक्टिकल मुहावरे और वाक्य हैं जिनका इस्तेमाल ड्राइवर आम स्थितियों में कर सकते हैं, जैसे रास्ता बताना, सवालों के जवाब देना और टूरिस्ट से बातचीत करना। ड्राइवरों को बेसिक भाषा की जानकारी देकर, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट का मकसद ज्यादा अच्छा और कस्टमर-फ्रेंडली सर्विस माहौल बनाना है।

प्रताप सरनाइक ने ड्राइवर एसोसिएशन से इस प्रोग्राम में एक्टिव रूप से हिस्सा लेने और इसे बड़े पैमाने पर लागू करने को पक्का करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'हम रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों की एसोसिएशन से इस पहल को अपनाने और इसे सफल बनाने में मदद करने की अपील करते हैं। यह कैंपेन न केवल यात्रियों की सर्विस को बेहतर बनाएगा बल्कि पूरे राज्य में मराठी भाषा के इस्तेमाल को भी बढ़ावा देगा।

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने घोषणा की है कि जल्द ही महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में इसी तरह के ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। इन प्रोग्राम में इंटरैक्टिव सेशन, प्रैक्टिकल एक्सरसाइज और गाइडबुक बांटना शामिल होगा ताकि ड्राइवर असल जिंदगी में इन शब्दों का इस्तेमाल करने में सहज महसूस करें।

अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से लोकल लोगों और टूरिस्ट दोनों के आने-जाने का अनुभव काफी बेहतर होगा, भाषा से जुड़ी दिक्कतें कम होंगी और ड्राइवरों और यात्रियों के बीच बेहतर तालमेल बनेगा। लोकल भाषा को बढ़ावा देकर और इसके प्रैक्टिकल इस्तेमाल को बढ़ावा देकर, महाराष्ट्र सांस्कृतिक ज्ञान को पब्लिक सर्विस में शामिल करने का एक उदाहरण पेश कर रहा है।

आओ खेलें

1			5		4			9	3		E		G	7	A
	E		7		9	1		F		A	6	2	4		D
G	6	4	B				E	D	8		2	9		3	
F									C	5		B		1	
	5		C			D		B	2		9	8			
B	8			5	7				F	C					G
A			9	8			1	G	E		4		C		
		3		C		9	A					1			F
				9				7	6	G	C	D	2	E	5
5	1	7					D				B	C	8	F	6
		6	D		C	G		1			F	A	3		
			F		E	8		2		D	5				7
7	F		2		B	3				9	8		A		4
D	C	5	1	6			7	E				G			3
8				2	D				7		G	F	5		1
	4		6		G	5	F		1		3		D	8	B

प्यूपिल्स टाइम्स

डिजिटल व न्याय: जीपीटी-6 से सुप्रीम कोर्ट तक

- 'एआय' तेज है, पर संविधान उसकी रफ्तार से नहीं–उसकी सीमाओं से चलता है
- डिजिटल क्रांति: मशीन से मैटर तक का बदलाव

OpenAI का GPT-6 केवल एक तकनीकी अपडेट नहीं, बल्कि डिजिटल उत्पादन प्रणाली का नया चरण है। यह अब केवल टेक्स्ट जनरेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि रियल-टाइम वीडियो, मल्टीमीडिया कंटेंट और उन्नत संवादात्मक आउटपुट तैयार करने में सक्षम है। हिंदी सहित बहुभाषी संवाद इसकी प्रमुख क्षमता बन चुके हैं। इस बदलाव का सीधा असर कार्यबल और शिक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। कंटेंट निर्माण, डिजाइनिंग, रिपोर्टिंग, स्क्रिप्टिंग और यहां तक कि प्रारंभिक कानूनी व प्रशासनिक ड्राफ्टिंग तक सब ऑटोमेशन की दिशा में बढ़ रहे हैं। छात्र, नौकरीपेशा और क्रिएटिव सेक्टर–तीनों एक ही प्रश्न से गुजर रहे हैं: क्या अब कौशल का अर्थ बदल रहा है?

भारत का सर्वोच्च न्यायालय वर्तमान में जिन मामलों पर दृष्टि रखे हुए है, वे केवल विवाद नहीं बल्कि संवैधानिक संतुलन के प्रश्न हैं। एक ओर धार्मिक प्रथाओं और सार्वजनिक व्यवस्था का टकराव है। न्यायालय का रुख यह स्पष्ट करता है कि धार्मिक स्वतंत्रता मौलिक अधिकार है, लेकिन उसका प्रयोग सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का आधार नहीं बन सकता।

दूसरी ओर व्यक्तिगत संबंधों और आपराधिक कानून की व्याख्या से जुड़े मामलों में अदालत यह संकेत देती है कि प्रत्येक स्थिति को यांत्रिक ढंग से अपराध नहीं माना जा सकता। तथ्य, संदर्भ और परिस्थितियाँ तीनों मिलकर न्याय तय करते हैं।

हाल के मामलों में अदालतों ने यह स्पष्ट किया है कि जांच और प्रवर्तन एजेंसियों को केवल आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि प्रक्रिया के कठोर पालन पर काम करना होगा। बैंक खातों की अनफ्रीजिंग जैसे निर्णय यह संकेत देते हैं कि न्यायपालिका अब केवल परिणाम नहीं, बल्कि प्रक्रिया की वैधता को भी समान रूप से महत्व दे रही है।

अकयुग की दुविधा: सुविधा बनाम निर्भरता

लेखन, डिजाइन, विश्लेषण और प्रस्तुति ये सभी कार्य अब अकके माध्यम से तेज और सुलभ हो रहे हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि मानव भूमिका कहाँ समाप्त होती है और मशीन की शुरूआत कहाँ होती है? यही वह बिंदु है जहाँ शिक्षा और नीति दोनों को पुनर्परिभाषित करना आवश्यक है। केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं; तकनीक की सीमाओं, नैतिकता और प्रभाव की समझ भी उतनी ही जरूरी है। एक ओर एल्गोरिदम है, जो तेज है, डेटा-आधारित है और निरंतर अनुकूलित होता है। दूसरी ओर संविधान है, जो धीमा है, विचारशील है और संतुलन पर आधारित है। अकनिर्णय को गति दे सकता है, लेकिन न्याय प्रक्रिया को नहीं। क्योंकि न्याय केवल परिणाम नहीं, बल्कि प्रक्रिया की शुद्धता पर आधारित होता है। दूसरी ओर न्यायिक और संवैधानिक ढांचा, जो यह सुनिश्चित कर रहा है कि यह गति नियंत्रण से बाहर न जाए। अक सुविधा देगा, लेकिन संविधान दिशा देगा और यही संतुलन आधुनिक भारत की सबसे बड़ी पहचान बनता जा रहा है। तकनीक जितनी तेज होगी, संविधान उतना ही निर्णायक होगा–क्योंकि भविष्य केवल गति से नहीं, संतुलन से बनता है।

हेल्थ सिस्टम को मजबूत करने की बड़ी पहल

मुंबई - महाराष्ट्र में शहर से लेकर ग्रामीण स्तर के स्वास्थ्य नेटवर्क को मजबूत और जवाबदेह बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्ती दिखाते हुए स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने निर्देश दिया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में ढिलाई कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निष्क्रिय पड़ी स्वास्थ्य समितियों को फिर से सक्रिय किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री आबिटकर ने संबंधित अधिकारियों के साथ बेठक कर जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपकेंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं पर कड़ी नजर रखी जाएगी। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन केंद्रित बनाने के उद्देश्य से सभी स्तरों पर स्वास्थ्य समितियों के पुनरुद्धार की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उपकेंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक कार्यरत रोगी कल्याण समिति, जन आरोग्य समिति, महिला आरोग्य समिति और ग्राम आरोग्य, पोषण व स्वच्छता समिति को फिर से सक्रिय कर उनकी भूमिका मजबूत की जाएगी।

मंत्री आबिटकर ने बताया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न योजनाएं लागू की जा रही हैं, लेकिन इन योजनाओं का लाभ नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए स्थानीय स्तर पर समितियों का सक्रिय होना जरूरी है। इन समितियों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर नजर रखी जा सकती है और स्थानीय जरूरतों के अनुसार तुरंत निर्णय लिए जा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण व स्वच्छता समिति स्वच्छता, पोषण, जल आपूर्ति और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में महिला आरोग्य समिति स्थानीय समुदाय को जोड़कर स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा समन्वय सुनिश्चित करती है। जनस्वास्थ्य समिति और रोगी कल्याण समिति स्वास्थ्य संस्थानों में मरीज केंद्रित सेवाओं, सेवा गुणवत्ता और निधियों के पारदर्शी उपयोग की निगरानी करती हैं।

बगीचा अधिकारियों की भूमिका शक के घेरे में

क्या गैर-कानूनी पेड़ काटने के लिए बगीचा अधिकारियों का कोई छिपा हुआ सपोर्ट है?

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

नवी मुंबई - नवी मुंबई के सेक्टर 16 में एक डेवलपर के गैर-कानूनी तरीके से पेड़ काटने का मामला अभी ताजा है, वहीं अब नेरुल के सेक्टर 24 में पेड़ काटने का एक मामला सामने आया है। और नेरुल बगीचा अधिकारियों को इन सभी मामलों की जानकारी होने के बावजूद, वे कार्रवाई करने की कोशिश कर रहे हैं। तो, क्या इस तरह के गैर-कानूनी पेड़ काटने के लिए नेरुल बगीचा अधिकारियों का कोई छिपा हुआ सपोर्ट है? यह सवाल उठ रहा है। मनपा बगीचा विभाग नवी मुंबई मनपा एरिया में कंस्ट्रक्शन में रुकावट बनने वाले पेड़ों को काटने/जगह बदलने की इजाजत देता है। लेकिन, यह बात सामने आई है कि नेरुल के सेक्टर 24 के प्लॉट नंबर 1 और 2 में बिना परमिट के पेड़ काटे गए।

समाजसेवक सत्यवान गायकवाड़ ने इस बारे में नेरुल बगीचा डिपार्टमेंट में बाकायदा शिकायत की है। लेकिन, बगीचा डिपार्टमेंट ने अभी तक उस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की है, इसलिए बगीचा अधिकारियों की भूमिका शक के घेरे में है। एक तरफ, कुछ डेवलपर ईमानदारी से पेड़ काटने की इजाजत मांग रहे हैं। ऐसे एप्लीकेशन को प्रोसेस करने में देरी हो रही है। दूसरी तरफ, गैर-कानूनी तरीके से पेड़ काटने वालों को सपोर्ट किया जा रहा है। इसलिए, समाजसेवक सत्यवान गायकवाड़ ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले बगीचा ऑफिसर के खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन की मांग की है।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्ती

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने राज्य में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से जुड़े कानून के सख्त पालन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जिन संस्थानों में 'कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013' के तहत अनिवार्य इंटरनल कमेटियों का गठन नहीं किया गया है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सभी संस्थानों में जांच के आदेश

इस संबंध में आयोजित एक समीक्षा बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को पूरे राज्य में व्यापक जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी सरकारी और निजी संस्थानों में कार्यस्थल पर महिलाओं की शिकायतों के निवारण के लिए निर्धारित इंटरनल कमेटियां गठित हैं या नहीं, और वे ठीक तरीके से काम कर रही हैं या नहीं। मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि राज्य सरकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन हाल के निरीक्षणों में कुछ निजी संगठनों में नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी संस्थानों की पहचान की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने जानकारी दी कि राज्य में लगभग 1.23 लाख सरकारी और निजी संस्थानों में पहले ही इंटरनल कमेटियों का गठन किया जा चुका है। इसके बावजूद, जहां कहीं भी कमेटियां नहीं बनाई गई हैं या वे निष्क्रिय पाई जाती हैं, वहां कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि हर कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन हो और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण बनाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी तरह की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। राज्य सरकार का यह कदम महिलाओं की सुरक्षा और कार्यस्थल पर उनके अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के निरीक्षण और सख्त कार्रवाई से संस्थानों में जवाबदेही बढ़ेगी और महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

सरकार ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में इस अभियान को और तेज किया जाएगा, ताकि सभी संस्थान कानून के दायरे में आकर अपनी जिम्मेदारी का पालन करें।

महाराष्ट्र में रिजल्ट के तुरंत बाद डिजीलॉकर पर मिलेगी डिग्री, मंत्री का निर्देश

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - महाराष्ट्र के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने निर्देश दिया कि परीक्षा परिणाम घोषित होने और जरूरी सत्यापन पूरा होने के तुरंत बाद छात्रों की डिग्री प्रमाणपत्र डिजीलॉकर पर अपलोड किए जाएं। इसके लिए छात्रों को दीक्षांत समारोह तक इंतजार नहीं कराना पड़ेगा। मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि परीक्षा परिणाम आने के तुरंत बाद कई छात्र विदेशों की यूनिवर्सिटी, उच्च शिक्षा संस्थानों, छात्रवृत्ति, इंटर्नशिप और नौकरी के लिए आवेदन करते हैं, लेकिन परिणाम घोषित होने और दीक्षांत समारोह के बीच लंबे अंतर के कारण छात्रों को तय समय सीमा में डिग्री प्रमाणपत्र जमा करने में दिक्कत होती है। मंत्री ने कहा कि डिग्री प्रमाणपत्र मिलने में देरी के कारण छात्रों को पढ़ाई या करियर के मौके नहीं गंवाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई छात्र सफलतापूर्वक कोर्स पूरा कर ले और उसका परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित हो जाए, सत्यापित डिग्री प्रमाणपत्र जल्द से जल्द डिजिटल रूप में उपलब्ध करा दिया जाना चाहिए। चंद्रकांत पाटिल ने बताया कि उन्होंने उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि राज्य की सभी यूनिवर्सिटी डिजीलॉकर पर डिग्री प्रमाणपत्र अपलोड करने की एक समान प्रक्रिया अपनाएं। उन्होंने इस संबंध में जल्द से जल्द सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी करने के भी निर्देश दिए हैं।

मंत्री ने कहा,'इस फैसले से भारत और विदेश में उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी अवसरों, इंटर्नशिप और रोजगार के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही परिणाम के तुरंत बाद फिजिकल डिग्री के लिए बार-बार यूनिवर्सिटी के चक्कर लगाने की जरूरत भी कम होगी।

जलवायु और स्वास्थ्य संकट: 46 डिग्री की गर्मी से नए वायरस तक

▪ अब खतरा मौसम नहीं, जीवन-व्यवस्था बन चुका है ▪ अब गर्मी मौसम नहीं, आपातकाल है।

अप्रैल के अंतिम चरण में उत्तर भारत ने जिस तरह की तापीय तीव्रता झेली, वह सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं बल्कि जलवायु असंतुलन का स्पष्ट संकेत है। दिल्ली में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जबकि भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने पूरे उत्तर भारत में रेड अलर्ट जारी किया। यह स्थिति केवल असुविधा नहीं, बल्कि सीधे जन-जीवन पर संकट बनकर उभरी।

राजस्थान में हीटस्ट्रोक से चार लोगों की मृत्यु ने इस संकट की गंभीरता को और गहरा कर दिया। स्कूलों के समय में बदलाव करना पड़ा, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शिक्षा प्रणाली भी अब मौसम के दबाव से अप्रभावित नहीं रह सकती।

शहरी क्षेत्रों में बढ़ता तापमान केवल बाहर नहीं, बल्कि अंदरूनी जीवन-शैली को भी प्रभावित कर रहा है। एयर कंडीशनिंग पर निर्भरता बढ़ने से बिजली खपत में उछाल आया, जिससे ऊर्जा तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर 'खराब' श्रेणी में पहुंच गई, जहाँ अदक 310 दर्ज किया गया। इसके परिणामस्वरूप GRAP-2 लागू करना पड़ा और डीजल जनरेटरों पर प्रतिबंध लगाया गया। यह स्थिति एक बड़े सवाल को जन्म देती है क्या हमारे शहर अब रहने योग्य सीमाओं के करीब पहुँच रहे हैं? यदि तापमान और प्रदूषण इसी गति से बढ़ते रहे, तो आने वाले वर्षों में शहरी जीवन पूरी तरह असंतुलित हो सकता है।

महामारी खत्म नहीं हुई, बस रूप बदल चुकी है।

जहाँ एक ओर गर्मी जीवन को प्रभावित कर रही है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य सुरक्षा पर नया संकट उभर रहा है। केरल में कोविड-19 के नए वैरिएंट खठ.3 के 12 मामले सामने आए हैं। हालांकि यह संख्या अभी सीमित है, लेकिन इसका महत्व

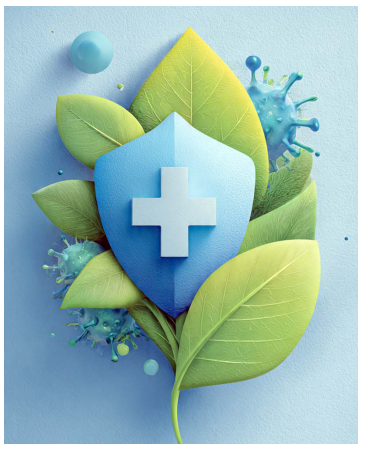

इसके संभावित प्रसार में निहित है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को सतर्कता बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं। यह संकेत है कि महामारी का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ, बल्कि उसने अपना स्वरूप बदल लिया है।

नए वैरिएंट्स की चुनौती यह है कि वे अक्सर तेजी से फैलते हैं, लेकिन शुरूआती चरण में उनकी पहचान कठिन होती है।

जलवायु और स्वास्थ्य दो मोर्चों की एक ही लड़ाई

आज जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य संकट दो अलग विषय नहीं रहे, बल्कि एक-दूसरे से जुड़े हुए वास्तविक खतरे बन चुके हैं। बढ़ता तापमान, प्रदूषण और नए वायरस—ये सब मिलकर एक जटिल जोखिम प्रणाली बना रहे हैं।

यही कारण है कि स्वास्थ्य तंत्र को पहले से अधिक सतर्क और तकनीकी रूप से सक्षम होना आवश्यक है। यह स्थिति हमें 2020-21 की याद दिलाती है, जब स्वास्थ्य प्रणाली अचानक दबाव में आ गई थी। अंतर केवल इतना है कि अब खतरा एक बड़े विस्फोट के रूप में नहीं, बल्कि धीरे-धीरे फैलने वाले संक्रमण के रूप में सामने आ रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निगरानी प्रणाली मजबूत नहीं की गई, तो छोटे-छोटे प्रकोप बड़े स्वास्थ्य संकट में बदल सकते हैं।

यदि समय रहते शहरी ढांचे, स्वास्थ्य प्रणाली और पर्यावरण नीतियों को मजबूत नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। अब आवश्यकता केवल प्रतिक्रिया की नहीं, बल्कि पूर्व-तैयारी और दीर्घकालिक रणनीति की है। क्योंकि अब सवाल यह नहीं कि गर्मी कितनी बढ़ेगी या वायरस कितना फैलेगा, सवाल यह है कि हमारी तैयारी कितनी बची है।

खाड़ी का संकट: तेल, ताकत और आपकी जेब

समुद्र में तनाव, दुनिया पर असर

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - दुनिया आज सीमाओं से नहीं, आपसी जुड़ाव से संचालित होती है। इसी का सबसे बड़ा उदाहरण है होर्मुज जलडमरूमध्य–एक ऐसा समुद्री मार्ग, जहाँ से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल गुजरता है। यहाँ तनाव बढ़ना केवल क्षेत्रीय घटना नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए सीधी चुनौती है।

यह संकट केवल समुद्र तक सीमित नहीं है। ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव इसे और जटिल बनाता है। जब संवाद कमजोर पड़ता है और अविश्वास बढ़ता है, तो उसका असर व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर साफ दिखाई देता है। इसी समीकरण में इजराइल की अप्रत्यक्ष भूमिका भी जुड़ती है, जो लंबे समय से ईरान की नीतियों का विरोध करता रहा है। भले वह सीधे इस टकराव में शामिल न हो, पर उसकी रणनीतिक स्थिति पूरे क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करती है।

ऊर्जा राजनीति इस पूरे संकट का केंद्रीय तत्व है। ओपेक जैसे संगठनों का उद्देश्य तेल बाजार को संतुलित रखना होता है, लेकिन जब इस संतुलन में दरार आती है, तो कीमतों में अस्थिरता बढ़ जाती है। यही अस्थिरता आगे चलकर महंगाई में बदलती है।

भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होते ही इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ता है। और जब ईंधन महंगा होता है, तो परिवहन, खाद्य वस्तुएँ और दैनिक उपयोग की चीजें भी महंगी हो जाती हैं।

इसी संदर्भ में राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ भी सामने आई हैं। राहुल गांधी ने चेतावनी दी है कि वैश्विक परिस्थितियों के चलते पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तेल सस्ता था, तब उसका लाभ आम जनता तक पूरी तरह नहीं पहुँच पाया। यह प्रतिक्रिया दर्शाती है कि ऊर्जा संकट अब केवल आर्थिक विषय नहीं, बल्कि राजनीतिक बहस का भी हिस्सा बन चुका है।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि यह केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है, बल्कि एक ऐसा तंत्र है जिसमें राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। खाड़ी में उठी हलचल का असर उनकी पढ़ाई, यात्रा और जीवन-यापन तक पहुँचता है।

खाड़ी का यह संकट केवल तेल या युद्ध की कहानी नहीं है, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था का आईना है जिसमें हम सभी जुड़े हुए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य अब केवल एक समुद्री मार्ग नहीं, बल्कि यह उस सच्चाई का प्रतीक है कि दुनिया में कहीं भी उत्पन्न संकट अंततः हर नागरिक के जीवन को प्रभावित करता है।

बीएमसी के काम में लगी पाइलिंग रिग पलटी, दबने से कांस्टेबल की मौत

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - सायन-पनवेल हाईवे पर बीती रात एक दर्दनाक हादसे ने शहर को झकझोर कर रख दिया. यहां वाशी ब्रिज के पास बीएमसी के निर्माण कार्य में लगी एक विशालकाय पाइलिंग रिग मशीन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई. इस हादसे की चपेट में आने से मुंबई पुलिस के कांस्टेबल संतोष चौहान की जान चली गई.

जानकारी के मुताबिक वाशी ब्रिज से पहले हाईवे पर बीएमसी के 'रोड ट्रैफिक एंड ब्रिज डिपार्टमेंट' का काम चल रहा था. वहां पाइलिंग रिग मशीन के जरिए जमीन की खुदाई की जा रही थी. काम के दौरान अचानक मशीन का संतुलन बिगड़ा और वह पूरी तरह पलट गई. उसी समय वहां से गुजर रहे कांस्टेबल संतोष चौहान इसकी चपेट में

आ गए और गंभीर चोट लगने के कारण उनका निधन हो गया.

हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई. पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. फिलहाल हाईवे पर निर्माण कार्य रोक दिया गया है. अब प्राथमिकता उस भारी रिग मशीन को हाईवे से हटाने की है, ताकी दुबारा काम शरू किया जा सके.

पुलिस के मुताबिक अभी ADR दर्ज किया गया है, मृतक के परिजन आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक से मशीन गिर गई. जिससे कांस्टेबल उसकी चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई. सड़क बनाने वालों की तरफ से अगर लापरवाही नहीं की जाती है तो कांस्टेबल की जान नहीं जाती.

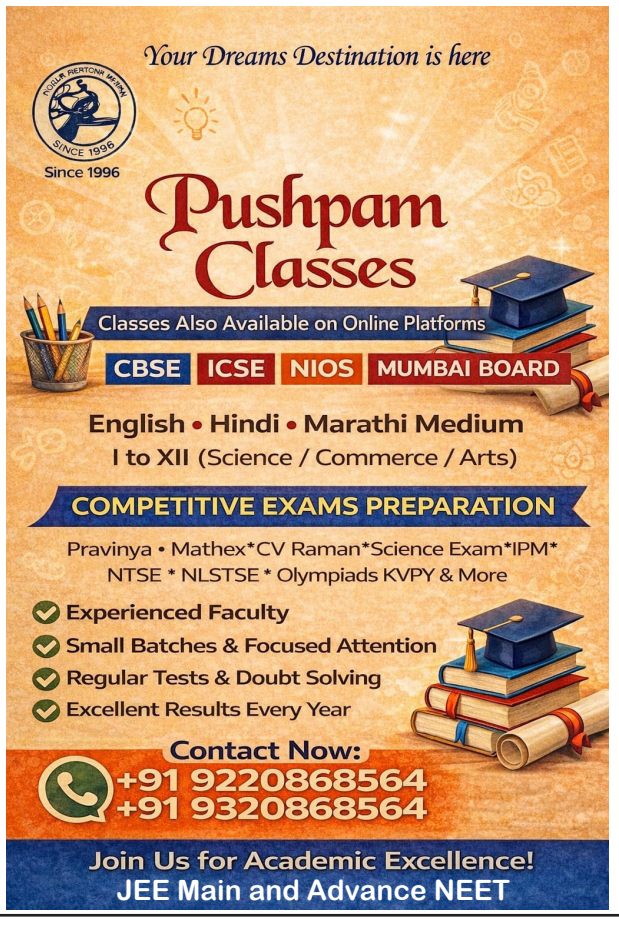

प्यूपिल्स टाइम्स

गर्मी के मौसम ने तेजी पकड़ ली है। इस मौसम में गर्मी ज्यादा लगती है और पसीना भी ज्यादा आता है। गर्मी में बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए और बॉडी में पानी की कमी को पूरा करने के लिए सिर्फ पानी का सेवन करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि कुछ ऐसे फलों का सेवन करना भी जरूरी है जो बॉडी को हाइड्रेट रखें और बॉडी में पानी की कमी को पूरा करें। तरबूज गर्मी का एक ऐसा फल है जो खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है। इस फल का सेवन करने से बॉडी हाइड्रेट रहती है और कई परेशानियों का उपचार भी होता है।

तरबूज

पुरुषों के लिए वरदान?

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. मिश्रा आशिषकुमार प्रभुनाथ के अनुसार तरबूज सिर्फ बॉडी को हेल्दी ही नहीं रखता बल्कि पुरुषों में प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित करता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि तरबूज पौष्टिक, हाइड्रेटिंग, क्षारीय, विटामिन सी से भरपूर फल है जिसमें स्ट्रॉबेरी और बीटा-कैरोटीन की तुलना में अधिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं।

इस फल में मौजूद लाइकोपीन आर्टीरीज वॉल की कठोरता और मोटाई को कम करने में मदद करता है। इसमें मौजूद सिट्रूलिन एक एमिनो एसिड नाइट्रिक ऑक्साइड पैदा करता है जो ब्लड वैसल्स को फैलाने में मदद करता है,जिससे ये पुरुषों में प्रजनन संबंधी समस्याओं के लिए उपयोगी है। विशेषज्ञ के अनुसार तरबूज दो तरह के होते हैं कच्चा तरबूज जो ठंडा माना जाता है। इस तरबूज का सेवन सब्जी करी बनाने के लिए किया जाता है। जबकि दूसरा खाने के लिए तैयार फल है जिसकी तासीर गर्म होती है। गर्मियों में इस फल का सेवन करने से पाचन क्रिया धीमी हो जाती है इसलिए हम गर्म तरबूज खाते हैं। इस तरबूज का सेवन किसी के भी पाचन को धीमा कर सकता है।

आयुर्वेद के मुताबिक प्राचीन भारतीय चिकित्सा प्रणाली में तरबूज का सेवन न केवल प्यास बुझाने वाले फल के रूप में किया जाता है बल्कि पुरुषों में प्रजनन क्षमता को बेहतर बनाने के लिए भी किया जाता है। पुरुषों के लिए ये एक शक्तिशाली फल है जो एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और खनिजों से भरपूर है। पुरुषों में इनफर्टिलिटी को दूर करने के लिए तरबूज का सेवन प्रभावी होता है। नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी, पुणे की फर्टिलिटी कंसल्टेंट डॉ. निशा पंसारे के अनुसार तरबूज में प्रचुर मात्रा में एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट लाइकोपीन मौजूद होता है जो स्पर्म हेल्थ को सुधारने में और उनकी संख्या बढ़ाने में मदद करते हैं। एंटीऑक्सीडेंट ऑक्सीडेटिव तनाव से निपटने में मदद करता हैं जो स्पर्म डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है और प्रजनन क्षमता को कम कर सकता है। पुरुषों में इनफर्टिलिटी को दूर करने में ये फल जादुई असर करता है।

श्रीराम पॉलीक्लिनिक व आयुर्वेदिक दवाखाना, डॉ. मिश्रा आशिषकुमार प्रभुनाथ ने बताया कि तरबूज का सेवन ब्लड फ्लो को बेहतर करता है और पुरुषों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन की परेशानी पर सकारात्मक असर करता है। इसका सेवन करने से पुरुषों में फर्टिलिटी बढ़ाने में मदद मिलती है।

श्रीराम पॉलीक्लिनिक व आयुर्वेदिक दवाखाना
डॉ. मिश्रा आशिषकुमार प्रभुनाथ
(BAMS, मुंबई) रजि. नं. 99424-अ-1
मोबाइल: 9743102575
स्थान: बोराडपाडा, चिखलोली
समय: सांयकाल 7:30 से 11 बजे तक।

भारत का उदय: शक्ति, साझेदारी और विश्व-मित्र बनने की यात्रा

अब भारत केवल दर्शक नहीं, वैश्विक खेल का निर्णायक खिलाड़ी है

दुनिया जब अनिश्चितता, युद्ध और आर्थिक दबावों से गुजर रही है, तब भारत की स्थिति तेजी से बदलती हुई दिखाई दे रही है। रक्षा खर्च, व्यापार समझौते, तकनीकी साझेदारियाँ और अंतरिक्ष कार्यक्रम–इन सबने भारत को एक नई वैश्विक भूमिका में स्थापित किया है। अब भारत केवल उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। भारत अब प्रतिक्रिया नहीं देता वह दिशा तय करता है।

रक्षा शक्ति: 92 अरब डॉलर का नया अध्याय

भारत अब दुनिया का पाँचवाँ सबसे बड़ा रक्षा बजट रखने वाला देश बन चुका है। लगभग 92 अरब डॉलर का यह निवेश केवल सैन्य खर्च नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता का संकेत है। फ्रांस और जापान जैसे विकसित देशों को पीछे छोड़ते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी सुरक्षा नीति अब केवल रक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि प्रभाव विस्तार तक पहुँच चुकी है। जहाँ सुरक्षा मजबूत होती है, वहाँ राष्ट्र की आवाज वैश्विक हो जाती है।

रक्षा साझेदारी: हथियार नहीं, रणनीति का निर्यात

भारत अब केवल आयातक नहीं, बल्कि निर्यातक बन रहा है। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की दूसरी खेप इसका उदाहरण है। यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि रणनीतिक विश्वास का संकेत है। इसी तरह अमेरिका के साथ 3.5 अरब डॉलर की प्रीडेटर ड्रोन डील भारत की तकनीकी साझेदारी को नए स्तर पर

ले जाती है। अब भारत सुरक्षा खरीदता नहीं, सुरक्षा साझा करता है।

व्यापार क्रांति: न्यूजीलैंड समझौता और वैश्विक बाजार

न्यूजीलैंड के साथ किया गया ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट भारत की आर्थिक कूटनीति में बड़ा कदम है। अब भारतीय उत्पादों पर वहाँ कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा। यह केवल व्यापार समझौता नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की खुली एंट्री है। भारत अब बाजार में प्रवेश नहीं करता वह नियम बदलता है।

तकनीकी छलांग: टेस्ला का भारत में आगमन

एलन मस्क द्वारा गुजरात में टेस्ला प्लांट की घोषणा भारत की औद्योगिक क्षमता पर वैश्विक विश्वास का संकेत है। 2027 से 'मेड इन इंडिया' मॉडल-2 कार का उत्पादन भारत को इलेक्ट्रिक व्हीकल क्रांति के केंद्र में ला सकता है। यह केवल निवेश नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकी साझेदारी है। जहाँ टेस्ला बनती है, वहाँ भविष्य लिखा जाता है।

अंतरिक्ष शक्ति: गगनयान और नागरिक एस्ट्रोनॉट युग

ISRO का गगनयान मिशन भारत को मानव अंतरिक्ष उड़ान वाले देशों की सूची में शामिल करेगा। सबसे बड़ी बात अब सामान्य नागरिक भी अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह विज्ञान को लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। अब अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिकों का नहीं, नागरिकों का सपना है।

रणनीतिक संतुलन: शक्ति और शांति का नया मॉडल

आज भारत एक अनोखी स्थिति में है। एक ओर वह रक्षा निर्यातक बन रहा है, दूसरी ओर शांति और सहयोग का पक्षधर भी। यह संतुलन उसे पारंपरिक शक्ति राजनीति से अलग करता है। भारत न तो आक्रामक विस्तारवादी है, न ही निष्क्रिय दर्शक वह एक 'संतुलित वैश्विक शक्ति' है। भारत शक्ति भी है और शांति का प्रस्ताव भी।

जौनपुर कलेक्ट्रेट में वाटर कूलर बंद, फरियादी परेशान

वीरेंद्र शर्मा

जौनपुर - जौनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में सांसद निधि 2023-24 से लगे दो वाटर कूलर महीनों से बंद हैं। भीषण गर्मी में दूर-दराज से आने वाले फरियादी पानी के लिए भटक रहे हैं। सिविल लाइन पुलिस चौकी और शस्त्र कार्यालय के पास लगे इन कूलरों की टोंटियां चोरी हो गई हैं। पूरा परिसर सीसीटीवी की निगरानी में है, फिर भी सिस्टम ठप है।

वरिष्ठ पत्रकार यशवन्त कुमार गुप्त ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर तुरंत पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज जांच कर चोरों पर कार्रवाई और नई टोंटियां लगाकर कूलर चालू कराने का अनुरोध किया है। एक कूलर पर 'सौजन्य से मा. श्याम सिंह यादव, सांसद सदर, जौनपुर' लिखा है। दूसरे के पास 'विकास की गति अपार, डबल इंजन सरकार' का बोर्ड है। सार्वजनिक धन से लगी सुविधा का रखरखाव न होना प्रशासनिक लापरवाही दिखाता है। गर्मी में पेयजल बुनियादी जरूरत है।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar
Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 2. We get Result guarranty but classes no result guarranty. 3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 4. Its Time saving but in classes time wasted. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

गृहकार्य-दक्षता-सूत्रम्’

ए. आइ.- अनुशासन-स्पन्द-आधारित गृह-कार्यालय-तन्त्रम्

भूमिकाः युगधर्मः

‘गृहं केवलं निवासः न, नवयुगस्य कर्मक्षेत्रम् अस्ति।’

गृहात् कार्यम् इति अधुना सुविधा न, अपि तु वैश्विक-कार्यसंस्कृतेः नवः प्रतिमानः। किन्तु असंयता दिनचर्या, चित्त-विक्षेपः, ऊर्जा-क्षयः च उत्पादकत्वस्य महाशत्रवः सन्ति।

> मूलप्रश्नः – किं गृहकार्यं मानवस्य उत्पादकत्वं वर्धयति, उत क्षीणयति?

> उत्तरसूत्रम् – प्रणाली विना गृहं बन्धनम्, प्रणालीयुक्तं गृहं सिद्धिक्षेत्रम्।

1. काय-संरचनाः शरीरं प्रथमं साधनम्

‘शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्।’ – कालिदासः

समस्याः शय्या-तल-कार्ये ग्रीवा-वक्रता, कटि-पीडा, नेत्र-क्लमः।

सिद्धान्तः: असम्यक-आसनं उत्पादकत्वस्य 40% ह्रासं करोति।

चतुःसूत्री समाधानम्:

1. एर्गोनॉमिक आसनम् – जानु 90त्, पादौ भूमिस्पर्शौ, कटिः आधारयुक्ता।
2. नेत्र-समं यन्त्रम् – स्क्रीनस्य ऊर्ध्वभागः नेत्र-रेखायाम्।
3. मेरुदण्ड-अनुशासनम् – प्रत्येकं 45 निमेषु 90 सेकण्ड् उत्थानम्, प्रसारणम्।
4. प्रकाश-विन्यासः – वामतः प्राकृतिकः प्रकाशः, नेत्रयोः स्निग्धता।

> स्मृतिसूत्रम्: ‘सम्यक-आसनम् = अर्धं कार्यसिद्धिः। असम्यक-आसनम् = पूर्णः रोगः।

2. तन्त्र-अनुशासनम् : यन्त्रं दासः, न स्वामी

समस्याः Network-पतनम्, Device-स्तम्भनम्, तान्त्रिक-भयम्।

दर्शनम् : प्रौद्योगिकी समस्या न, अपि तु प्रक्रिया-अज्ञानम्।

पञ्च-चक्र-निवारणम् :

1. पूर्व-जांच – केबल-दृढता, WiFi-संकेतः, Power-स्रोतः।
2. सॉफ्ट-रीसेट – Settings → Display → Detect. Windows + P → Extend.
3. ड्राइवर-संस्कारः – मासिक-अद्यतनम् रोग-निवारणम्।
4. पुनरारम्भ-ब्रह्मास्त्रम् – 70% समस्या Restart-इत्यनेन शाम्यति।
5. ए.आइ.-परामर्शः – ChatGPT-इत्यस्मै वदः ‘मम द्वितीयः मॉनिटर न दृश्यते, निदानं कुरु।

> स्मृतिसूत्रम् : ‘यन्त्रे दोषे सति क्रोधं मा कुरु, क्रमं अनुसर।’

3. काल-स्पन्दः: समयस्य शासकः भव

कालः पचति भूतानि, कालः संहरते प्रजाः। – महाभारतम्

समस्याः समय-अनियन्त्रणम् = कार्य-अनन्तता + चित्त-अशान्तिः।

विज्ञानम् : मानव-मस्तिष्कं 90-निमेष-चक्रेषु श्रेष्ठं कार्यं करोति।

‘त्रि-काल-तन्त्रम्’:

1. Deep Work कालः – 9:00-10:30, 11:00-12:30। केवलं एकं महत् कार्यम्। फोनः दूरम्।
2. संगम-कालः – Meetings, Emails, Calls. चित्तस्य बहिर्मुख-अवस्था।
3. समापन-कालः – 18:00-18:15। श्वः-दिनस्य सूची, डेस्क-शुद्धिः, System Shutdown।
- स्मृतिसूत्रम् : ‘यः कालं नियन्त्रयति, सः कार्यं नियन्त्रयति। यः कार्यं नियन्त्रयति, सः जीवनं नियन्त्रयति।’
4. ऊर्जा-स्पन्दः: अन्नं ब्रह्मेति व्यजानात्

‘युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।’ – गीता 6.17

समस्याः भावनात्मक-क्षुधा, अनियमित-स्नैकिंग, ऊर्जा-पतनम् अपराध-बोधः।

सत्यम् : 80% ‘क्षुधा’ जल-अभावस्य वा मानसिक-श्रान्तेः संकेतः अस्ति।

‘पञ्च-अमृत-स्नैक-तन्त्रम्’:

1. वात-शामकम् : मखानाः + सैन्धव-लवणम्
2. पित्त-शामकम् : नारिकेल-जलम् + शीतल-फलम्
3. कफ-शामकम् : भर्जित-चणकः + मरिचम्
4. ओजस् -वर्धकम् : नट्स + दधि + मधु-बिन्दुः
5. चित्त-प्रसादकम् : 85% डार्क-चॉकलेट खण्ड-द्वयम्

नियमः: भोजनं केवलं भोजन-कक्षे। कार्यस्थाने केवलं जलम्।

स्मृतिसूत्रम् : ‘क्षुधा प्रायः जलस्य वा विश्रामस्य याचना अस्ति, न अन्नस्य।’

5. कृत्रिम-मेधा-योगः: ए.आइ. गुरुर्न, सहायकः

‘एकोऽपि सहायः समर्थः।’

समस्याः एकाकी-चिन्तनम् = दृष्टि-सीमा + सृजन-अवरोधः।

नवाचारः: ए.आइ. इति न प्रतिस्पर्धी, अपि तु ‘मानस-मथन-सहकारी’।

‘चर्तु-ए.आइ.-प्रयोगः’:

1. विचार-स्फोटः: ‘मम उत्पादस्य 5 विपणन-शीर्षकाणि ददातु, हास्य-शैल्याम्।’
2. लेखन-संस्कारः: ‘इमम् ईमेलं संक्षिप्य अधिकं प्रभावशालि कुरु।
3. योजना-सारथिः: अद्यतन 6 कार्याणां 25-निमेष-पोमोडोरो-तालिका रचय।
4. संवाद-अभ्यासः: ‘कठिन-क्लायन्ट-सह वार्तालापस्य अभिनयं कुरु।’

स्मृतिसूत्रम् : ’ए.आइ. इति दर्पणः। यत् त्वं पृच्छसि, तत् प्रतिबिम्बयति। प्रश्नस्य गुणः = उत्तरस्य गुणः।’

6. कार्य-विराम-स्पन्दः: समाप्तिः अपि साधना

‘कार्यस्यान्ते विरामः, विरामस्यान्ते नवः आरम्भः।’

समस्याः ‘अधिकं 5 निमेषम्’ इति विष-चक्रम् दग्ध-भावः + कुटुम्ब-कलहः।

मनोविज्ञानम् : मस्तिष्कं ‘Closure’ विना विश्रान्तिं न लभते।

‘सन्ध्या-समापन-चक्र’ 18:00 वादनेः

1. 15:00: श्वः-दिनस्य 3 प्रमुख-कार्याणि लिखतु – चित्तं रिक्तं भवति।
2. 10:00: System Shutdown– यन्त्रं, मनः च उभयं शान्तम्।
3. 05:00: डेस्क-शुद्धिः, जल-पात्रम् पूरयतु – प्रातः-कालस्य स्वागत-व्यवस्था।
4. 00:00: कार्य-वस्त्र-परिवर्तनम् – ‘कार्यालयः पिहितः’ इति शरीराय संकेतः।

> स्मृतिसूत्रम् : ‘यः समापनं न जानाति, सः आरम्भस्य आनन्दं न लभते।’

चतुःस्तम्भ-प्रासादः

‘गृहं प्रणाली-युक्तं चेत्, सिद्धि-क्षेत्रं भवति। प्रणाली-हीनं चेत्, कारागृहं भवति।’

गृहकार्यस्य सिद्धिः चतुर्षु स्पन्द-स्तम्भेषु प्रतिष्ठिताः

1. काय-स्पन्दः – संरचना + अनुशासनम्
2. काल-स्पन्दः – नियमनम् + सीमा-रेखा
3. ऊर्जा-स्पन्दः – आहारः + विश्रामः + गति
4. मेधा-स्पन्दः – ए.आइ.-योगः + मानव-विवेकः

अन्तिम प्रत्यभिज्ञा-सूत्रम् :

> ‘न गृहं कार्यं बाधते, न कार्यं गृहं बाधते।

> अव्यवस्था उभयोः बाधिका। व्यवस्था उभयोः साधिका।।

> यदा द्रष्टा, दृश्यं, दर्शनं च एक-स्मिन् स्पन्दे प्रतिष्ठितानि,

> तदा गृहात् कार्यं न भवति, गृहमेव कार्यं भवति – सहजम्, उत्पादकम्, आनन्दमयम्।

१ मई २०२६ तः ७ मई २०२६ पर्यन्तं सम्भाविताः घटनाः

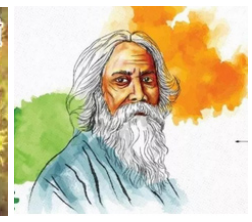

आन्तराष्ट्रिय-घटनाः

1. BRICS-विदेश-सचिवानां सभा, नवदेहलीः रूस-देशस्य विदेश-सचिवः सर्गेई-लावरोव-महोदयः सहिताः सर्वे सदस्याः उपस्थिताः भविष्यन्ति।

रूप्यक-रूबल-व्यापारः, ऊर्जा-रक्षा-सहकार्यं च १८तमस्य BRICS-शिखर-सम्मेलनस्य मार्गचित्रं च चर्चाविषयाः भविष्यन्ति।

2. भारत-आरब-विदेश-सचिवानां द्वितीया सभा, नवदेहलीः भारत-वअए-सह-अध्यक्षतायां आयोजिता।

व्यापार-निवेश-विस्तारः तथा अजमान-नगरे आरब-भारत-विश्वविद्यालय-अध्यक्ष-सम्मेलनं निर्धारितं भविष्यति।

राष्ट्रिय-घटनाः

1. भारत-व्यापार-महोत्सवः २०२६, भारत-मण्डपम्: १-४ मई, ‘वोकल् फॉर लोकल्, लोकल् टू ग्लोबल् इति विषयः।

दश-लक्ष-आगन्तुकाः, २०००+ प्रदर्शनी-मण्डपाः, अक-आधारित-B2B-मेलनेन टरटए-नियार्ताय गतिः दास्यते।

2. आन्तरराष्ट्रिय-निर्वाचन-अवलोकन-कार्यक्रमः २०२६: २३-देशेभ्यः ४३ प्रतिनिधयः भारतम् आगमिष्यन्ति।

EVM-VVPAT-यन्त्रस्य प्रत्यक्षं प्रदर्शनं द्रक्ष्यन्ति, असम-केरल-पुदुच्चेरी-राज्येषु निर्वाचन-प्रक्रियाम् अध्येष्यन्ते।

राज्य-स्तरीय-घटनाः

1. महाराष्ट्र-दिवसः + श्रमिक-दिवसः, १ मईः महाराष्ट्र-राज्ये सार्वजनिक-अवकाशः।

बुद्ध-पूर्णिमया सह त्रिदिनात्मकः दीर्घ-सप्ताहान्तः, कोषागार-सर्वकारीय-कार्यालयाः पिहिताः।

2. पञ्च-राज्यानां मतगणना, ४ मई सोमवासरः: असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम-बङ्ग, पुदुच्चेरी-विधानसभा-निर्वाचनम् २०२६।

निर्वाचन-आयोगेन प्रातः ८ वादने गणना आरप्स्यते; मध्याह्न-पर्यन्तं प्रवृत्तयः, सायं यावत् अन्तिम-परिणामाः सम्भाव्यन्ते।

आर्थिक-घटनाः

1. कोषागार-अवकाशः, १ मई शुक्रवासरः: बुद्ध-पूर्णिमा + मई-दिवस-निमित्तं सम्पूर्ण-भारते कोषागाराणि पिहितानि।

३ मई रविवासरेण सह निरन्तर-अवकाशः, केवलं अङ्कीय-कोषागार-सेवा उपलब्धा।

2. भारत-एव-मुक्त-व्यापार-सम्झौताः जनवरी-२०२६ पर्यन्तं २४ अध्यायेषु २० अध्यायेषु सम्मतिः जाता।

‘सर्व-व्यापार-सम्झौतानां जननी’ इति कथ्यमाना इयं सम्झौता २०० कोटि-उपभोक्तृणां सामूहिक-आपणं निर्मास्यति।

राजनैतिक-घटनाः

1. सर्वकारीय-पञ्चाङ्गम् २०२६: ऑपरेशन-सिन्दूर-विषयः: मई-मासः ‘वीरतातः विजय-पर्यन्तम्’ इति समर्पितः।

सशस्त्र-बलानां शौर्यं दर्शयत् विशेष-पृष्ठं प्रकाशितम्।

2. १८तमं BRICS-शिखर-सम्मेलनम् २०२६: भारतम् आतिथेयम् अध्यक्ष-देशं च।

जुलाई-२०२५ तमे वर्षे १७तमं शिखर-सम्मेलनं ब्राजील-देशे सम्पन्नम्।

धार्मिक-घटनाः

1. बुद्ध-पूर्णिमा + वैशाख-पूर्णिमा, १ मई शुक्रवासरः: भगवान्-बुद्धस्य जयन्ती, स्नान-दानस्य विशेष-माहात्म्यम्।

कूर्म-जयन्ती अपि अस्मिन् एव दिने; बहुषु राज्येषु राजकीय-अवकाशः।

2. नारद-जयन्ती, २ मई शनिवासरः: ज्येष्ठ-मासस्य प्रारम्भः।

सृष्टेः प्रथम-संवाददाता देवर्षिः नारदः: त्रिषु लोकेषु भ्रमित्वा सत्यं, समये च लोकहिताय सूचनां प्रापयति स्म। निष्पक्षता-निर्भयतयोः कारणात् सः आदि-पत्रकारः इति कथ्यते। ५ मई दिनाङ्के सङ्कष्टी-चतुर्थी प्रथम-बड़ा-मङ्गलं च।

सामाजिक-घटनाः

1. श्रमिक-दिवसः, १ मईः श्रमिक-अधिकार-विषये सम्पूर्ण-देशे गोष्ठी-यात्रा-आयोजनानि।

महाराष्ट्र-गुजरात-स्थापना-दिवसे उभयोः राज्ययोः सांस्कृतिक-कार्यक्रमाः।

2. टैगोर-जयन्ती, ७ मई गुरु-वासरः: गुरुदेव-रवीन्द्रनाथ-टैगोरस्य जन्मदिवसः।

बङ्ग-त्रिपुरा-राज्ययोः काव्य-सङ्गीत-नाट्य-समारोहाः, विद्यालयेषु विशेष-आयोजनानि।

भौगोलिक/पर्यावरण-घटनाः

1. उत्तर-भारते तीव्रा उष्णताः IMD-अनुसारं तापमानं ४६त्उ यावत्, बहुषु मण्डलेषु रक्त-सङेकतः।

अप्रैल-मासस्य उष्ण-लहरी-प्रभावः मई-मासस्य प्रथम-सप्ताहे अपि स्थास्यति इति आशङ्का।

2. पूर्व-वर्षा-सक्रियताः केरले पूर्व-वर्षा, बङ्गल-उपसागरे न्यून-दाब-क्षेत्रम्।

२५ मई तः नवतपा प्रारप्स्यते; १-७ मई मध्ये स्थानीय-झञ्झा-वृष्टि-सङेकताः सम्भाव्यन्ते।

विशेष-टिप्पणीः नारदः ‘प्रथम-संवाददाता’ किमर्थम्?

1. त्रैलोक्य-सञ्चारः: स्वर्गे, पृथिव्यां, पाताले च अबाधित-सूचना-प्रसारः।
2. लोकहित-लक्ष्यम् : सूचनातः समाधान-पर्यन्तं नयनम् – कंसाय चेतावनीतः वाल्मीकये राम-कथा-बीज-पर्यन्तम्।
3. पत्रकारितायाः मूल-मूल्यानिः गतिशीलता, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, निर्भयता, लोकहितम् – आदिरूपेण तस्मिन् सन्ति।

> सारः: आधुनिक-प्रसारमाध्यमाः ‘ब्रेकिङग् न्यूज् ददति, नारदः ‘ब्रेकिङग् भ्रमम्’ अयच्छत्। सः सूचनां ‘शस्त्रं’ न, ‘शास्त्रम्’ अकरोत्।

२ मई नारद-जयन्त्यां सङकल्पः: सूचनायाः शक्तिं संवादाय, सुधाराय, समाज-हिताय च उपयुञ्ज्महे।

अवधेयम् : उपर्युक्त-सूचना PIB, RBI, ECI तथा प्रसार-माध्यम-स्रोतेषु आधारिता सम्भावित-कार्यक्रम-सूची अस्ति। तिथिषु आयोजनेषु च स्थानीय-स्तरे परिवर्तनं सम्भवति।

बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती

Dr Vandana Mishra
M.A. NET(JRF) PHD

BMC Orders Strict On-Site Engineer Presence For Desilting

Mandatory Mesh Barriers To Prevent Plastic Waste

Mumbai: To enforce strict accountability and transparency in the desilting of rivers and drains, Deputy and Assistant Engineers must remain on-site full-time without exception. Work shall follow rigorous drain-wise and day-wise planning, with mandatory daily updates in the system, warned Additional Municipal Commissioner (Projects) Abhijit Bangar on Wednesday. Installation of mesh barriers at key points to prevent floating solid waste—especially plastic—has been made compulsory; non-compliance will not be tolerated, he added.

As part of pre-monsoon works, desilting of rivers and major and minor drains across Mumbai is underway. Bangar inspected ongoing river and drain-cleaning operations in the western suburbs on Wednesday. He conducted on-site visits to Walbhat River in Goregaon (East) near the Western Express Highway, Oshiwara River near the Goregaon (West) Metro station, the SNDT drain near Gazdharbandh pumping station, and the North Avenue drain in Santacruz (West).

Bangar began his inspection at the Walbhat River in Goregaon (East), which originates from Sanjay Gandhi National Park and flows about 5 km through Dadasaheb Phalke Chitranagari and Gokuldham before meeting the Bimbisar nullah. Noting heavy silt inflow from the national park during monsoon, he reviewed ongoing desilting works and directed that excavated silt be disposed of within the stipulated time and prevented from re-entering the river. Bangar also instructed that ramps for deploying heavy

machinery be constructed under the supervision of Storm Water Drains (SWD) and ward engineers, who must remain present on-site. To avoid public misunderstanding, he further directed that clear signage be displayed at ramp sites explaining the purpose of the work.

He also reviewed the recurring waterlogging near Oberoi Mall, Goregaon (East), caused by obstruction in the Piramal nullah originating from Dindoshi.

Bangar stressed the need for a permanent solution, directing the SWD Department to overcome constraints posed by traffic on the Western Express Highway. He ordered thorough desilting and cleaning of culverts with mandatory video documentation, and instructed steps to enhance flow capacity. Noting that two 5 m x 2.5 m culverts beneath the Oberoi Mall junction have lost capacity due to utility lines and heavy siltation, he directed removal of all debris and careful, possibly mechanised cleaning, ensuring no public inconvenience.

Bangar called for augmentation of the SWD near the SRPF compound service road in P South ward, where drainage is sluggish. He instructed immediate pumping arrangements for monsoon relief, along with preparation and approval of estimates, tendering during the monsoon, and execution post-monsoon. At Oshiwara River near Goregaon (West) Metro station, he noted that a permanent ramp has been successfully provided for deploying machinery, calling it a good practice model. Bangar reviewed ongoing works at Oshiwara River, Mogra Nullah, and Irla Nullah, where pumping stations are being constructed.

Abstract

This article presents a synthetic philosophical interpretation of reality through an integrated framework drawn from the Upani□adic tradition and Kashmir Śaiva philosophy. It critically re-examines the nature of reality, consciousness, and experience beyond the dichotomy of subject and object that dominates modern epistemology.

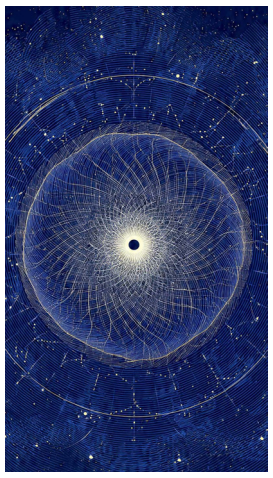

The central thesis advanced is that reality is not an externally existing, independent ontological structure, nor merely an internal cognitive construction. Instead, it is proposed as "Spanda" (dynamic vibration of consciousness)—a self-revealing, self-manifesting continuum of awareness in which perception, perceiver, and perceived are non-dual expressions of a single consciousness principle.

The Upani□adic identification of Brahman as the ultimate substratum of existence is interpreted in parallel with the Kashmir Śaiva conception of Cit–Śakti (consciousness-power) and Spanda (primordial pulsation). Through this synthesis, the paper argues that phenomenal diversity (jagat) is not ontologically separate from absolute reality but is rather its experiential modulation.

To illustrate this philosophical framework, a parallel narrative model is employed. The narrative of "Anāhatapura," a symbolic experiential city, is used as an epistemic device to demonstrate how shifts in perception reveal the instability of object-based realism and point toward a consciousness-centered ontology.

The study further engages with classical Indian epistemology by reinterpreting Māyā not as illusion in a nihilistic sense, but as the dynamic expressive capacity of consciousness. Similarly, the four states of consciousness (jāgrat, svapna, su□upti, and turīya) are analyzed as gradations of experiential intensity within a single unified field of awareness.

The paper concludes that the apparent separation between observer and observed is epistemologically constructed rather than ontologically real. The ultimate realization (pratyabhijñā) is identified as the recognition of consciousness as both the source and substance of all experience.

Maharashtra Cabinet Approves ACP Scheme For 7,562 Non-Teaching Staff In Tribal Ashram Schools

Two financial upgrades after 12 and 24 years

PUPILS TIMES

Mumbai: The Maharashtra Cabinet, chaired by Devendra Fadnavis, has approved the implementation of a revised Assured Career Progression (ACP) scheme for non-teaching staff working in aided tribal ashram schools run by voluntary organisations.

Under the decision, employees will receive two financial upgradation benefits after completing 12 and 24 years of regular service. The move will benefit around 7,562 non-teaching staff across 556 aided ashram schools in the state.

These schools, operated under the Tribal Development Department, play a key role in providing education to students from remote and tribal areas. Currently, over 2.61 lakh students are enrolled, supported by more than 7,200 teachers and 7,500 non-teaching staff.

The decision aligns with a March 14, 2024 government resolution apply to non-teaching staff in aided schools under the School Education Department, extending similar benefits to tribal ashram schools with effect from January 1, 2024.

Maharashtra Forms Green Commission To Plant 300 Crore Trees By 2047

CM Devendra Fadnavis To Head Governing

Mumbai: In a major push towards clean and sustainable power, the Maharashtra Cabinet has approved an ambitious Rs12,303 crore green energy initiative titled 'Maharashtra: Accelerating Green Energy and Storage Technologies Integration in Connected Grid (MAGESTIC)'. The decision was taken at a Cabinet meeting chaired by Chief Minister Devendra Fadnavis.

Commission handles planning, funding, monitoring

The project aims to significantly increase the share of renewable energy in the state's energy mix from the current 17 per cent to 50 per cent by 2030. It focuses on strengthening transmission infrastructure, integrating renewable energy into the grid, and developing advanced energy storage technologies.

As part of the plan, the state will undertake large-scale upgrades to its power transmission network, including the construction of new substations and transmission lines, along with modernization of existing systems. A

major component of the scheme is the promotion of Battery Energy Storage Systems (BESS), with a target capacity of 16,000 MWh to ensure grid stability and efficient energy management.

The Cabinet has also approved the submission of the project's preliminary report to the Department of Economic Affairs for further financial processing. Around 70 per cent of the total project cost—amounting to Rs. 8,616 crore—will be financed through loans from the World Bank, while the remaining 30 per cent will be contributed by state power utilities.

Key state-run companies, including Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited (MSEDCL), Maharashtra State Electricity Transmission Company Limited (Mahatransco), Maharashtra State Power Generation Company Limited (Mahagenco) and Maharashtra Renewable Energy Development Agency (MREL), will be responsible for loan repayment and execution of various components.

PUPILS TIMES

Friday, 1 May to 7 May 2026

PM Narendra Modi Offers Condolences

Announces Aid After Bengaluru Wall Collapse Leaves 7 Dead

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi on Wednesday expressed grief over the loss of lives in a wall collapse incident in Bengaluru, Karnataka, that claimed the lives of seven people, including three children.

In a statement on X, the Prime Minister termed the mishap as "unfortunate" and conveyed condolences to the bereaved families. "The mishap due to the collapse of a wall in Bengaluru, Karnataka, is unfortunate. My thoughts are with the bereaved families. May the injured recover at the earliest," the Prime Minister Modi said.

The PMO also announced financial assistance for the victims. An ex-gratia of Rs 2 lakh each from the Prime Minister's National Relief Fund (PMNRF) will be provided to the next of kin of the deceased, while those injured will receive Rs 50,000.

Karnataka Assembly LoP R Ashok said, "It's a government hospital wall. They have not taken any care, that's why this incident happened. They are responsible. That's why I demand a judicial inquiry because seven people have lost their lives." "It's very heartbreaking that in this incident, a little girl has also lost her life. The people who died were taking shelter from the rain and a lightning strike... This wall was built 25-30 years ago, but it didn't look so weak that it would collapse. The government has announced an investigation, so action will be taken as soon as possible. Strict action will be taken against whoever is responsible for this", Congress leader Rizwan Arshad said.

The government has announced a condolence amount of Rs 5 lakh for the deceased, and for this, I want to appeal to them to increase it further", he added. At least seven people, including three children, were killed after a compound wall collapsed near the Bowring and Lady Curzon Hospital in Bengaluru on Wednesday.

Karnataka Chief Minister Siddaramaiah visited the site where the compound wall collapse claimed seven lives. The Chief Minister's Office verified the finality of the casualties shortly after the site inspection was completed. "Seven deaths have been confirmed by the CMO following the tragic wall collapse near the Bowring hospital premises," the statement from the Chief Minister's Office read.

Trauma Care 3.0 - Redefining the Role of the Surgeon

In India, approximately 168,000 citizens lose their lives every year due to road traffic accidents. More than 50% of these deaths occur within the first 60 minutes of trauma. Yet, our trauma care system still operates on an "hospital-dependent model," where the surgeon waits for the patient inside the operation theatre.

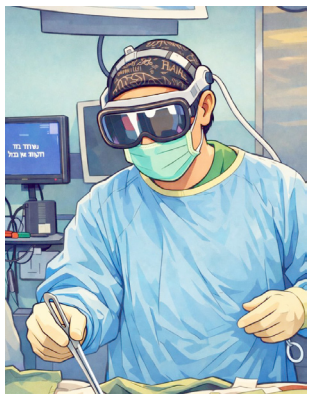

This situation is not acceptable.

1. We believe that the concept of the "Golden Hour" is no longer sufficient. Emerging global evidence establishes that the "Platinum 10 Minutes" after trauma are the decisive window between life and death. If hemorrhage is controlled within the first 10 minutes, up to 70% of lives can be saved.

2. We believe that trauma care is not merely surgical skill, but a systemic responsibility. In developed nations, paramedics, air ambulances, and surgeons function as an integrated network. In India, the surgeon must evolve from being a "final responder" to a "first responder" and a "network commander."

3. We propose transforming district hospitals into "Trauma Hubs" with the following structure:

One Call Activation System: Entire trauma team reaches the OT within 15 minutes of activation.

Damage Control Surgery Protocol: Hemorrhage control and infection stabilization within 45 minutes.

Tele-Trauma Network: Real-time expert guidance extending to district-level hospitals.

4. We declare that the responsibility of a surgeon is not limited to treatment. Prevention is a fundamental social duty:

Identifying accident black spots and reporting them to authorities. Training police, teachers, students, and citizens in "Stop The Bleed" techniques. Providing evidence-based input on road safety policies rather than emotion-driven discourse.

5. We demand immediate implementation of four key policy reforms: Strict enforcement of Good Samaritan Law 2.0. Mandatory National Trauma Registry and Preventable Death Audit. Recognition of Trauma Surgery as a separate super-specialty by the MCI/NMC. Inclusion of "Blood on Wheels" and Drone-based Triage Systems under the National Health Mission.

In conclusion, the success of modern surgery cannot be measured only inside the operating theatre. The role of an MD surgeon is now threefold: Healer, System Architect, and Life-Saving Network Leader. Our commitment is clear: "The best surgery is the one that never becomes necessary. The second best is the one that begins at the accident site within the Platinum 10 Minutes and saves a life." It is time for surgeons to carry not only the scalpel, but also the system. Because Trauma Care 3.0 does not begin in the operation theatre it begins on the road, in schools, and in policy itself.

Our Cognitive Power

Dr. Arvindsingh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES
In a recent statement he said, Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

Joyous Akshaya Tritiya: Chief Editor Anurag Shukla Acquires New Tata Nexon, Named 'Shri Radhe'

Ambernath - The auspicious occasion of Akshaya Tritiya brought double delight for the Pupils Times family. Chief Editor Shri Anurag Shukla 'Puneet' purchased a new Tata Nexon. The vehicle was delivered in a sacred muhurat with Vedic chanting, puja-archana, and traditional rituals.

Shri Shukla described the milestone as "a symbol of progress and new consciousness in my professional journey." He added, "This is not just a personal achievement, but an auspicious sign of Pupils Times' continuous growth, expansion, and rising credibility."

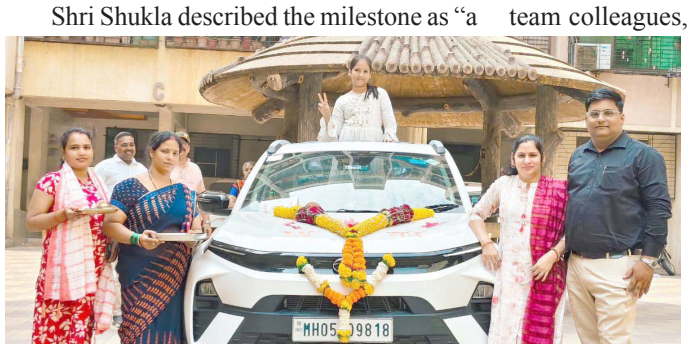

The most heartfelt moment of the ceremony came when Editor Shri Anil Mishra named the new Tata Nexon 'Shri Radhe'. As soon as the name was announced, family members, colleagues, and well-wishers welcomed it with resounding applause. Everyone noted that the name reflects the institution's culture and values.

On this blessed occasion, family members, team colleagues, and distinguished citizens of the city felicitated Shri Shukla with bouquets and conveyed best wishes for his bright future and for the institute to scale new heights.

The Pupils Times family expressed confidence that, with the blessings of 'Shri Radhe', the Chief Editor's pen will gain even greater momentum, and the institution will set new benchmarks in journalism.

Message of Akshaya Tritiya: What begins today remains eternal. May this new beginning become a symbol of unending progress for Pupils Times — this is everyone's heartfelt prayer.

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"
POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"
FREE POLICY CONSULTATION

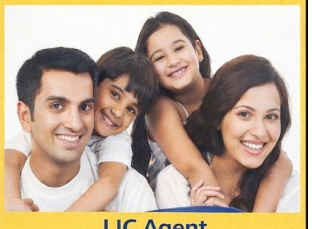

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939

PUPILS TIMES
Core Committee
Anurag Shukla — Chief Editor
Shivprakash Pandey — Chief Publisher
Vikas Maurya — Co Publisher
Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **SOMANI PRINTING PRESS Printing Press,** UNIT NO.04, GROUND FLOOR, N. K. INDUSTRIAL ESTATE, OFF. AAREY ROAD, GOREGAON (E) , MUMBAI, MAHARASHTRA - 400064. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)
Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**